प्रेस–विज्ञप्ति 19.11.2016

दिनांक **19** नवम्बर, 2016 को प्रातः 10:00 बजे से रागेन्द्र स्वरूप सेन्टर फॉर परफोर्मिंग आर्ट्स में मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश (एम.सी.यू.पी.) एवं सेंट्रल इंडिया रीजनल कौंसिल ऑफ आई.सी.ए.आई. के संयुक्त तत्वाधान में "जी.एस.टी." पर दो-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के अंतर्गत द्वितीय-दिवस का आयोजन किया गया।

द्वितीय-दिवस की कार्यशाला (दिनांक 19 नवम्बर, 2016) को दो सत्रों में आयोजित की गयी।

प्रथम तकनीकी सत्र को संबोधित करते हुए प्रथम वक्ता बेंगलौर से पधारे सी.ए. एस. वेंकटरामानी ने बताया कि वस्तु एवं सेवा कर के कर निर्धारण में स्थान एवं समय का महत्त्व बहुत अधिक है क्योकि स्थान के अनुसार ही सम्बंधित राज्य कर का अपना अंश प्राप्त होगा इसलिए जिस राज्य से वस्तु एवं सेवा कर की सप्लाई की जा रही है वही उस कर में अंश का भागीदार होगा। स्थान एवं समय के निर्धारण के लिए विभिन्न नियम बनाये जायेंगे जिनके आधार पर उनका निर्धारण होगा। वस्तु एवं सेवा कर की आपूर्ति कि परिभाषा में विक्रय, सेवा, हस्तानान्तरण, वस्तु-विनिमय आदि गतिविधियाँ सम्मिलित होंगी। बिना किसी प्रतिफल के किया हुआ हस्तानान्तरण भी आपूर्ति की परिभाषा में शामिल होगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि बिना स्थान निश्चित किये हुए आपूर्ति का निर्धारण नहीं किया जा सकता है।

द्वितीय वक्ता दिल्ली के सी.ए. अशोक बत्रा ने वस्तु एवं सेवा कर में इनपुट टैक्स क्रेडिट के विभिन्न प्रावधानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यदि व्यापारी ने उपभोक्ता को ही माल बेचा है तो माल वापसी की दशा में कर की वापसी नहीं होगी। इसलिए ई-कॉमर्स एवं अन्य माध्यमों में माल वापसी पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा।

भोजनोंपरान्त के अंतिम तकनीकी सत्र में उत्तर प्रदेश वेट के अतिरिक्त आयुक्त श्री अनिल कुमार पाठक ने विभाग की विभिन्न तैयारियों एवं कठिनाईयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वर्तमान में PAN अपडेशन एवं डाटा माईग्रेशन का काम जोर शोर से चल रहा है और उसमें बहुत से गलत PAN एवं डुप्लीकेट PAN की शिकायतें सामने आ रही है।

अंत में सी.ए. धर्मेन्द्र श्रीवास्तवा ने इस समय परिवर्तन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की, उन्होंने बताया कि हम यदि इसके लिए पहले से ही नहीं सक्रिय हुए तो बहुत सी परेशानियां सामने आयेगी।

उपरोक्त विचार आज सेंट्रल इंडिया रीजनल कौंसिल एवं मर्चेंट्स चैम्बर द्वारा आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन के द्वितीय दिन वक्ताओं ने व्यक्त किये।

संचालन श्री प्रमोद सक्सेना एवं श्री ऋषभ मिश्रा ने किया। सभापतित्व राजेश कसेरा एवं श्री मनु अग्रवाल ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री प्रशांत रस्तोगी एवं श्री शरद निगम ने दिया।

कार्यशाला में उपस्थित गणमान्य: श्री ए.के. सिन्हा, सचिव, एम.सी.यू.पी., श्री राजिव गुप्ता, श्री शरद शेखर श्रीवास्तव, श्री दीपक कुमार मिश्र, श्री अरुण अहलुवालिया, श्री पंकज गुप्ता, श्री ज्ञान गुप्ता, श्री अजय खेडिया, एवं मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश तथा सेंट्रल इंडिया रीजनल कौंसिल ऑफ आई.सी.ए.आई. के सदस्यगण सहित लगभग 650 प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सधन्यवाद
मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश
एवं
सेंट्रल इंडिया रीजनल कौंसिल ऑफ आई.सी.ए.आई.